

तन का सुख-2

“लेखक : राज कार्तिक तभी कमल ने सुधा को जाने को कहा और मुझे बोला- यहीं सो जाओ ! तो मुझसे पहले ही सुधा बोल पड़ी- इनके सोने का इंतजाम ऊपर वाले कमरे में किया हुआ है पहले से ही । कमल के कमरे में डबलबेड था तो मैंने कहा- यहीं सो जाता हूँ ! तो [...] ...”

Story By: (sharmarajesh96)

Posted: Thursday, December 10th, 2009

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [तन का सुख-2](#)

तन का सुख-2

लेखक : राज कार्तिक

तभी कमल ने सुधा को जाने को कहा और मुझे बोला- यहीं सो जाओ !

तो मुझसे पहले ही सुधा बोल पड़ी- इनके सोने का इंतजाम ऊपर वाले कमरे में किया हुआ है पहले से ही।

कमल के कमरे में डबलबेड था तो मैंने कहा- यहीं सो जाता हूँ !

तो सुधा ने ऐसे आँखें तरेरी की बस !

सुधा उठ कर बाहर चली गई। मैं भी कमल को नींद का बहाना बना कर ऊपर कमरे की तरफ चल दिया। तब रात के करीब बारह बजने को थे।

जब मैं सीढ़ियाँ चढ़ने लगा तो सुधा की कोमल सी आवाज आई- अब क्यूँ आये हो... सो जाओ उस कमल के पास.. !

मैंने इधर उधर देखा और उसके पास जाकर उसको मनाते हुए सॉरी बोला।

पर वो थी कि मानने का नाम ही नहीं ले रही थी। मेरा भी मूड खराब हो गया, मैं अपने आप को कोसने लगा कि मैंने कमल के कमरे में रुकने का कहा ही क्यों।

मैं बुझे मन से ऊपर कमरे में चला गया और अपने कपड़े उतार कर लुंगी पहन ली।

तभी दरवाजे पर खट-खट हुई। मैंने देखा तो देखता ही रह गया। यह तो सुधा थी। सफ़ेद

बल्ब की रोशनी में एकदम परी सी खड़ी लग रही थी। एक बेहद खूबसूरत नाइटी में दूध का गिलास हाथ में लिए वो दरवाजे पर खड़ी थी।

उसको देखते ही दिल खुशी से झूम उठा और मैं लगभग दौड़ कर उसके पास गया। जाते ही उसके हाथ से दूध का गिलास लेकर एक तरफ रखा और उसको अपनी गोद में उठा कर सीधा बिस्तर पर ले गया।

उसके बाल उसके गालों पर फैल गए थे। मैंने धीरे से उसके बालों को एक तरफ करते हुए उसकी आँखों में देखा तो उसने शरमा कर आँखें बंद कर ली।

मैंने झुक कर उसकी बंद आँखों को चूम लिया। ऐसा मैंने अब तक फिल्मों में ही देखा था पर आज मेरे साथ हकीकत में हो रहा था। जब मैंने उसकी आँखें चूमी तो वो एकदम से लरज कर मुझ से लिपट गई। फिर तो जो चूमा-चाटी का दौर शुरू हुआ तो कुछ भी ध्यान नहीं रहा। अब तो हम दोनों एक दूसरे में समा जाने को बेताब हो रहे थे।

मैंने एक एक करके उसके सारे कपड़े उतार दिए। पहले उसकी नाइटी, फिर उसकी ब्रा, और फिर जब उसकी पैटी उतारी तो उसकी पानी-पानी होती चूत देख कर लण्ड फटने को हो गया। मैंने उसकी नाभि क्षेत्र को चूमना-चाटना शुरू किया तो वो बेहद गर्म हो गई और मुझसे बुरी तरह से लिपट गई। वो भरपूर उत्तेजित थी। मैंने थोड़ा सा नीचे होते हुए उसकी चूत पर जब जीभ लगाई तो वो मस्ती के मारे चीख पड़ी। उसकी चूत बहुत पानी छोड़ रही थी।

मैं भी मस्ती में भर कर उसकी चूत चाटने लगा। उसकी रसीली चूत का स्वाद बहुत गजब था। एकदम नमकीन और थोड़ा सा कसैला सा पर था मजेदार। वो मस्ती में सर को इधर उधर पटक रही थी और मेरा सर अपनी चूत पर दबा रही थी।

उसके हाथ अब मेरे लण्ड को टटोल रहे थे और वो भी अब मुझे बिना कपड़ों के देखना चाहती थी। पर मैंने पहना ही क्या था, एक लुंगी थी वो मैंने उतार कर एक तरफ़ रख दी तो मैं भी बिल्कु नंगा हो गया। मैंने अपना लण्ड उसके मुँह की तरफ़ किया तो उसने भी लण्ड थोड़ी सी ना नुकर के बाद मुँह में ले लिया और चूसने लगी। पर कुछ देर बाद वो लण्ड अपनी चूत में लेने को तड़प उठी।

अब रुकने के मूड में मैं भी नहीं था। पहली बार एक नंगी चूत जो थी लण्ड के सामने। पर सच कहूँ तो बिल्कुल भी नहीं पता था चुदाई के बारे में। बस जो भी पता था वो अन्तर्वासना की कहानियों और ब्लू फिल्मों में पढ़ा और देखा था।

कमरे में कोई क्रीम या तेल नहीं था चूत पर लगाने को। पर जब मैं लण्ड सुधा की चूत रखने लगा तो सुधा ने तकिये के नीचे से एक क्रीम की डब्बी निकाल कर मेरे हाथ में थमा दी।

कुछ कहने की जरूरत ही नहीं थी, वो पूरी तैयारी के साथ चुदवाने आई थी। मैंने डब्बी में से क्रीम लेकर उसकी चूत पर और अपने लण्ड पर अच्छे से लगाया। चूत पर क्रीम लगाते लगाते मैंने क्रीम से भरी एक उंगली सुधा की गाण्ड में डाल दी। उसका यह सब पहली बार था तो वो चिंहुक उठी। मैंने उंगली बाहर नहीं निकाली और उसको अंदर-बाहर करने लगा। मैं सुधा की चुचियाँ चूस रहा था।

“क्यूँ तड़पा रहे हो राज... अब जल्दी से डाल दो अंदर... वरना मर जाऊँगी...!”

वो लण्ड लेने के लिए तड़प रही थी। मैंने अपना लण्ड उसकी चूत के मुँह पर टिकाया और धीरे से अंदर की तरफ़ दबाया तो लण्ड फिसल कर एक तरफ़ चला गया। आखिर था तो अनाड़ी ही तब तक।

मैंने दुबारा कोशिश की पर फिर से लण्ड फिसल गया तो सुधा ने लण्ड को अपने हाथ में

पकड़ कर चूत पर रखा। मैंने भी देर नहीं की और एक जोरदार धक्का लगा दिया। सुधा की चीख पूरे घर में गूँज जाती अगर मैंने सही समय पर उसके मुँह पर हाथ नहीं रख दिया होता। क्रीम की चिकनाई और चूत के पानी की मेहरबानी से लण्ड पहले ही धक्के में दो तीन इंच उतर गया था चूत में। खून की एक पतली सी लकीर जांघों पर आ गई थी। मैंने लण्ड को बाहर खींचा तो उस पर भी खून लगा हुआ था।

मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया और दो तीन धक्के एक साथ फिर से लगा दिए। सुधा दर्द के मारे छटपटाने लगी। वो अपने हाथों के जोर से मुझे अपने ऊपर से धकेलने की नाकाम कोशिश कर रही थी।

इसी कोशिश में मेरा हाथ उसके मुँह पर से उतर गया, वो रो रही थी और मुझे लण्ड बाहर निकालने को कह रही थी- बहुत दर्द हो रहा है राज... मुझसे सहन नहीं हो रहा है, प्लीज अपना बाहर निकाल लो !

अन्तर्वासना की कहानियों में पढ़ा था कि दर्द कुछ देर में खत्म हो जाता है तो मैं उसको यही बात समझाने की कोशिश करता रहा और साथ ही साथ धीरे धीरे लण्ड को भी अंदर-बाहर करता रहा। वो सब समझ रही थी पर दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। उसकी आँखों में आँसू आ गए थे। पर मैं नहीं रुका। धीरे धीरे धक्के लगाते लगाते कब लण्ड पुरा सुधा की चूत में समा गया पता ही नहीं चला। जब देखा कि पूरा लण्ड चूत में चला गया है तो मैं थोड़ी देर के लिए रुका और सुधा के होंठ चूमने लगा और उसकी चुचियाँ मसलने लगा।

कुछ देर में जैसे ही उसका दर्द कुछ कम हुआ तो उसने रोना बंद कर दिया और मेरे होंठ चूसने लगी। अब उसको भी मज़ा आने लगा था। मैंने थोड़ा ऊपर होकर उसके चेहरे से आँसू अपनी जीभ से साफ़ कर दिए। मैंने हल्का हल्का लण्ड को हिलाना शुरू किया तो वो भी अपनी गाण्ड ऊपर उठाने लगी। फिर तो धीरे धीरे चुदाई शुरू हो गई और कुछ ही देर बाद चुदाई अपनी पूरे यौवन पर आ गई और सुधा की चूत ने पानी छोड़ दिया।

कमरे में फच्च फच्च की आवाज कमरे के माहौल को मादक बनाने लगी। कमरे में सुधा की और मेरी आँहे और सिसकारियाँ गूँज रही थी। सुधा की कसी चूत चोदते चोदते मैं पसीने से लथपथ हो गया था। अब तो सुधा भी गाण्ड उछाल उछाल कर मेरी लण्ड के साथ ताल से ताल मिला रही थी। जब हम दोनों की जांघें मिलती तो फट फट फच्च फच्च की आवाज आती और मैं दुगने जोश के साथ चुदाई करने लगता।

हम दोनों मस्ती में डूबे चुदाई का मज़ा ले रहे थे। हम दोनों का ही यह पहला मौका था। करीब आधे घंटे की जबरदस्त चुदाई के बाद मेरा लण्ड अकड़ने लगा। लण्ड चूत के अंदर ही फूल गया था। तभी सुधा की चूत से तीसरी बार झरना फूट पड़ा। अभी पाँच दस धक्के ही और लगे थे कि मेरा लण्ड भी पूरे जोश के साथ सुधा की चूत में अपना वीर्य भरने लगा। मैं बेदम सा हुआ सुधा के ऊपर ही लेट गया। सुधा ने भी मुझे अपनी बाहों और टांगों में जकड़ लिया। हम दोनों के होंठ मिल गए और प्यार से एक दूसरे को चूमने लगे। फिर ऐसे ही बहुत देर तक हम दोनों लेटे रहे।

जबरदस्त चुदाई के बाद अब नींद सी आने लगी थी। तभी सुधा उठी और बाथरूम में चली गई। मैंने देखा कि उसने दरवाज़ा बंद नहीं किया था तो मैं भी उठ कर बाथरूम में घुस गया।

सुधा वहाँ बैठी पेशाब कर रही थी। मुझे देख कर वो शरमाई। मैं भी वही खड़ा होकर पेशाब करने लगा। सुधा पेशाब करने के बाद उठी और मुझ से लिपट गई।

फिर उसने वहीं पर मेरा लण्ड और अपनी चूत अच्छे से साफ़ की और हम बाहर आने लगे। सुधा की चूत अब सूज गई थी, उससे चला नहीं जा रहा था। मैंने भी मौका हाथ से जाने नहीं दिया और सुधा का नंगा बदन अपनी बाहों में उठा लिया और बाहर आकर बिस्तर पर लेटा दिया। हम दोनों को ही चरमसुख की प्राप्ति हुई थी। हम दोनों ही बहुत खुश थे।

बाहर आकर कुछ देर बातें की। कुछ सच्ची झूठी कसमें खाई और फिर दूसरा दौर शुरू हो गया। फिर तो सुबह जब तक नीचे खटपट शुरू नहीं हो गई हम दोनों चुदाई के सागर में गोते लगाते रहे और जवानी की आग को ठंडा करते रहे।

मुझे अगले दिन ही वापिस आना था पर जब दीदी की ससुराल वालो ने जोर दिया तो मैं होली तक रुक गया। आखिर चाहता तो मैं भी यही था। और फिर मेरी होली कैसी रही होगी इसका अंदाजा आप सब लगा सकते हैं। वो तीन दिन मेरी जिंदगी के सब से सुहाने दिन बन गए। अब शायद सुधा के घर वालों को इस बारे में पता लग गया है तभी तो वो सुधा के और मेरे रिश्ते की बात चला रहे हैं पर मैं अभी शादी नहीं करना चाहता।

आप लोग भी बताओ कि मुझे क्या करना चाहिए।

कहानी पढ़ कर बताना कि कैसी लगी मेरी पहली बार की मस्ती।

आपकी मेल का इन्तजार रहेगा।

आपका अपना राज



Other stories you may be interested in

चूत की ऐसी भयानक चुदाई सोची ना थी-2

आगे की कहानी.... मैंने उनसे कहा- मैं आज की रात यादगार बनाना चाहती हूँ। तो वो दोनों मुझे प्रश्नवाचक निगाह से देखने लगे। मैंने कहा कि... मैं चाहती हूँ कि आज तुम दोनों मेरे पालतू कुत्ते बनो और मैं तुम्हारी [...]

[Full Story >>>](#)

चूत की ऐसी भयानक चुदाई सोची ना थी-1

दोस्तो, मैं फेहमिना इकबाल एक बार फिर आप सबके सामने अपनी नई हिन्दी सेक्स स्टोरी कहानी लेकर हाजिर हूँ। बहुत दिनों बाद वापस आई हूँ, इंतजार कराने के लिए माफी चाहती हूँ। दोस्तो, आप सबने मेल के जरिये अपना बहुत [...]

[Full Story >>>](#)

नौकरी के लिए आई दो लड़कियों ने चूत चुदवा ली

आप सभी को मेरा नमस्कार.. मेरा नाम राहुल है, पटना का रहने वाला हूँ.. बिजनेस करता हूँ। मेरा अपना एक अच्छा ऑफिस है, मेरा प्लेसमेंट का काम है। मैं चुदाई के लिए चूत की खोज में बहुत लगा रहता हूँ। [...]

[Full Story >>>](#)

जयपुर की बस यात्रा में मिली अनजानी चूत-2

अब तक आपने पढ़ा.. एक अनजान महिला मेरे साथ बस की यात्रा में मेरे साथ मेरी ही बर्थ पर थी। अब आगे.. थोड़ी देर में उसने अपना एक पैर थोड़ा सा उठा लिया.. जिस कारण उसकी साड़ी उसके घुटनों तक [...]

[Full Story >>>](#)

जयपुर की बस यात्रा में मिली अनजानी चूत-1

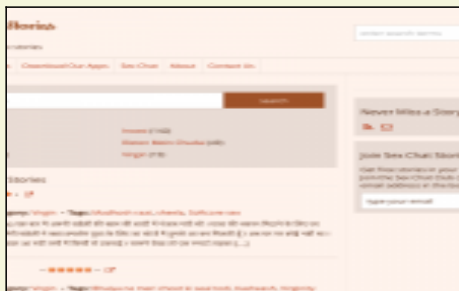
नमस्कार दोस्तो.. मेरा नाम कुन्दन है, जयपुर का रहने वाला हूँ। यह मेरे जीवन की एक सच्ची घटना है। इस घटना के समय में जयपुर से बाहर एक कंपनी में काम करता था। बात तब की है जब जयपुर में [...]

[Full Story >>>](#)



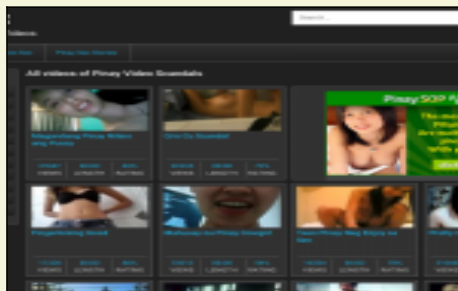
Other sites in IPE

[Sex Chat Stories](#)



Daily updated audio sex stories.

[Pinay Video Scandals](#)



Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

[Kinara Lane](#)



A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

[IndianPornVideos.com](#)



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

[Savitha Bhabhi](#)



Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

[Meri Sex Story](#)



मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...